भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 557

बुधवार, दिनांक 22 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने हेतु

महाराष्ट्र में छोटे बायोगैस संयंत्रों में कमी

557. श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटील:

एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवी:

डॉ. बच्छाव शोभा दिनेश:

सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदे:

क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार बायोगैस कार्यक्रम के अंतर्गत महाराष्ट्र में संस्थापित छोटे बायोगैस संयंत्रों की संख्या वर्ष 2022-23 के 5,180 से घटकर वर्ष 2024-25 में 4,581 होने की कमी से अवगत है;

(ख) यदि हां, तो इसकी संस्थापना में इस तरह की गिरावट के क्या कारण हैं;

(ग) सरकार द्वारा महाराष्ट्र में विशेषकर शोलापुर, नंदुरबार, भंडारा, सांगली और धुले जैसे बड़ी पशुधन आबादी और कृषि अपशिष्ट उत्पादन वाले जिलों में घरों में इसे अपनाने में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में शौचालयों से जुड़े स्थापित बायोगैस संयंत्रों की संख्या कितनी है और उनकी क्षमता, मलयुक्त कीचड़ उत्पादन और वर्तमान उपयोग का जिला-बार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) और (ख): वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2024-25 तक राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के चरण-I के दौरान महाराष्ट्र राज्य में संस्थापित छोटे बायोगैस संयंत्रों का ब्यौरा नीचे देखा जा सकता है:

वित्त वर्ष	स्थापित बायोगैस संयंत्रों की संख्या
2022-23	5180
2023-24	4707
2024-25	4581

जैसा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024-25 के दौरान स्थापनाओं की कम संख्या, मुख्य रूप से बायोगैस संयंत्रों की निर्माण लागत में वृद्धि, घरेलू स्तर पर पशुधन में गिरावट के कारण मवेशियों के गोबर की कम उपलब्धता, वैकल्पिक खाना पकाने के ईंधन के बढ़ते उपयोग, कुछ क्षेत्रों में पानी की कमी, प्रशिक्षित तकनीशियनों की कमी और बायोगैस संयंत्रों के संचालन और रखरखाव में लाभार्थियों में कम रुचि के कारण थी।

(ग) महाराष्ट्र में, विशेष रूप से सोलापुर, नंदुरबार, भंडारा, सांगली और धुले जैसे अधिक पशुधन और कृषि अपशिष्ट वाले ज़िलों में, घरेलू बायोगैस संयंत्रों को बढ़ावा देने के लिए, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के चरण-I के अंतर्गत बायोगैस कार्यक्रम के तहत केंद्रीय वित्तीय सहायता (CFA) प्रदान कर रहा है।

इसके अतिरिक्त, बायोगैस संयंत्रों को व्यापक रूप से अपनाना सुविधापूर्ण बनाने के लिए पात्र लाभार्थियों की पहचान करने के लिए जागरूकता और प्रचार अभियान, लाभार्थियों और तकनीशियनों का प्रशिक्षण और राज्य सरकार/कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ समन्वय किया जाता है।

(घ) महाराष्ट्र में स्थापित शौचालय से जुड़े बायोगैस संयंत्रों की जिला-वार संख्या अनुलग्नक में दी गई है।

तथापि, मल कीचड़ (फेकल स्लज) के उत्पादन और इसके वर्तमान उपयोग के संबंध में सूचना अलग से नहीं रखी जा रही है।

अनुलग्नक

'महाराष्ट्र में छोटे बायोगैस संयंत्रों में कमी' के संदर्भ में पूछे गए दिनांक 22.07.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 525 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पिछले पांच वर्षों (वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26) के दौरान महाराष्ट्र में स्थापित शौचालयों से जुड़े बायोगैस संयंत्रों का जिल-वार विवरण:

क्रम संख्या	जिला	बायोगैस संयंत्रों की संख्या
1.	ठाणे	17
2.	पालघर	168
3.	रायगढ़	12
4.	रत्नागिरी	61
5.	सिंधुदुर्ग	43
6.	नासिक	9
7.	धुले	0
8.	नंदुरबार	25
9.	जलगांव	46
10.	अहिल्यानगर	15
11.	पुणे	55
12.	सतारा	55
13.	सांगली	74
14.	सोलापुर	2
15.	कोल्हापुर	1725
16.	संभाजीनगर	5
17.	जालना	0
18.	परभणी	72
19.	हिंगोली	0
20.	बीड	14
21.	नांदेड़	0
22.	धाराशिव	0
23.	लातूर	0
24.	अमरावती	32
25.	बुलढाणा	0
26.	अकोला	7
27.	वाशिम	0
28.	यवतमाल	0
29.	नागपुर	76
30.	वर्धा	0
31.	भंडारा	78
32.	गोंदिया	16
33.	चंद्रपुर	75
34.	गढ़चिरौली	48
	कुल	**2730**

नोट: प्रत्येक संयंत्र की स्थापित क्षमता 3 घन मीटर प्रति दिन है।

*****